P.G.- SEMESTER - 4, ECSNT-0403
ELECTIVE COURSE - GE
Name of Paper — पारम्पारिक संताल लोक कला का अध्ययन ।

हाटिञ-'क'

1. जोतो कुकली रेयाक् लानाम खोजोगोक कान लेकाते ओल मे, 10x1 = 10

(क) भीत कला दो ओका बो मेताक् काना ।
(i) राचा जोक्
(ii) कॉंथ बेनाव
(iii) भितरे चिताR ✓
(iv) कॉंथ लॉंदुड़

(ख) मानवा जाति रे ओका धोरोम रिन होड़ कोदो को खोदा-आ ।
(i) हिन्दु धोरोम
(ii) मुसला धोरोम
(iii) सारना धोरोम ✓
(iv) सिक धोरोम

(ग) संताल सॉंवता रे (कला) हुनार दो तिनाक् हाटिञ रे हाटिञ गानाक्-आ,
(i) पे हाटिञ
(ii) पोन हाटिञ
(iii) मोड़े हाटिञ
(iv) तुरुई हाटिञ ✓

(घ) संताल सॉंवता रे बाबा होड़ कोवाक ~~बिरे~~ ती: रे तॅहेन जातियारी सनक (चिन्हा) दो चेत् बो मेताक् काना ।
(i) खोदा
(ii) दाग
(iii) सिका ✓
(iv) हुदरित

P.T.O

(छ) भारत दिसोम रे ओका धोरोम रेन होड़ कोदो, डांगरी, गाय, काड़ा को दाग (सन्तक) कोवा ।

(i) हिन्दु धोरोम
(ii) ईसाई ,,
(iii) मुसला ,,
(iv) सारना ,, ✓

(च) जनजाति को मुद्दे ओकोय जनजाति कोदो ओड़ा: भित्र रे चितार को बेनावा ।

(i) मुण्डा जनजाति
(ii) 'हो' जनजाति
(iii) संताल जनजाति ✓
(iv) बिरहोड़ जनजाति

(छ) सिन्धु सभ्यता रेनाक' हड़प्पा महेञ्जो दोड़ो" रे ऑम आकान चितार ओकोयाक् मेन्तेम् मोनेया ।

(i) द्राविड़ कोवा:
(ii) आर्य ,,
(iii) आदिबासी ,,
(iv) मुगल ,,

(ज) खेरवाल समाज रेनाक् आन-आरी दो ओकारे दुड़ुब काते को बेनाव लेदा ।

(i) हिहिड़ी पिपिड़ी रे
(ii) खोज कामान ,,
(iii) लुगु बुरु घाटा बाड़ी रे ✓
(iv) धोरोम सुतान टानडी रे

Contin page - 3.

(ক) গিপীতিজ হে সুতান টাণ্ডী রে দো চেদ্ এনেজতে ছুড়ি কো ওটাঙআ।

(i) ডানঠা এনেজ
(ii) রিঞা "
(iii) দোংগেড় " ✓
(iv) ফিরকাল "

(অ) ঞারনী আর মান্তার দো মিদ্ গেয়া ? — হঁ/বাঙ

ছাটিঞ – 'খ'

জাঁহাগে পুনয়া কুকলী রেয়াক্ লাঁনাম খোজোগোক কান লেকাতে ওল মে; ——— 4×15=60

2. সান্তাড় সাঁবতা রে 'খোদা' রেনাক্ চোলোন মেনাক্আ, চেদা? চেত খাতির, নোবা রেনাক এতোহোব কাথা কো ওল সোদোর মে!

3. হুনার (কলা) মেন্তে চেত এম বুঝাবা আর হুনার(কলা) দো তিনা লেকা ছুম দাড়েয়াক্ আ, পুস্তাব হঁহিজ ওল মে।

4. আতু-দিসাম রে সান্তাড় হোপোনাক্ ওড়াক্-দুয়ার আর দিকু ~~কোবা~~ (ধাতিক) কোবাক্ ওড়াক-দুয়ার রে চেত্-চেত্ তোফাদ মেনাক্ আ, ওল পুস্তাব মে।

5. সান্তাড় হোড় হোপোন কোবাক্ চেত-চেত বাড়োহো লোককলা মেনাক্ আ, সানামাক্ গে ওল সোদোর মে।

6. 'जादुपातिया' मेन्ते न्चेत एम बुझावा आर जादुपातिया हाक् कामी-कानुनी को बिछनावाते ओल मे।

7. 'संताली' लोक कला साँवहेत आर 'मुण्डा' लोककला रे न्चेत को सोमान मेनाक् आ, ओल मे।

8. सान्ताड़ साँवता रे तिनाक् लेकानाक् एनेज हुनार (नृत्य कला) मेनाक् आ, सानाम लेकाना एनेज हुनार बिछनावाते ओल मे,

9. सोन्ताड़ होड़ होपोन कोवाक् एनेज-सेरेञ (गीत एवं संगीत कला) हुनार साला जियोन रेनाक् गाहिर जोनोड़ाव मेनाक् आ; नोवा तिनाक् सारियाः ओल पुस्ताव मे।

———X———

Date 04.05.2020 Prof. Birbal Hembrom
Deptt of Santali
Baharagora College
BAHARAGORA.